रिकस्ट्री सं की. (की. एन.)-72

REGISTERED Nov D. (D.N.) 72



### असाधाररा EXTRAORDINARY

মান II—ছতম্ভ 3—রব-ছতম (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

### प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 124] नई विल्लो, सुकवार, मार्च 20, 1987/फालगुन 29, 1908 No. 124] NEW DELHI, FRIDAY, MARCII 20, 1987/PHALGUNA 29, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि तथा न्याय मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1987

# प्रधिसचना

या.का.ति. 299(अ): --- उच्च न्यायालय न्यायाधीण (सेवा शर्तें) अधि-तियम, 1954 की धारा 23 और 24 (1954 का 28) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय न्यायाधीण नियम 1956 में और प्राणे संशोधन करने के लिये केन्द्रीय सरकार एतददारा निम्नलिखिन नियम बनाती है, प्रयात: ---

1. (1) ये नियम उच्च न्यायालय न्यायाधीश (मंगोधन) नियम 1987 कहलायोंगे।

1776 GI/86

- (2) ये भारत के राजपत्न में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होंगे।
- 2. उच्च न्यायालय न्यायाधीण नियम 1956 में:---
- (1) नियम 2क के घन्तर्गत स्पष्टीकरण में---

"परन्तु इसमें पानी और विजली के उपभोग (वाधिक बारह हजार रुपये से अधिक) मुल्क मामिल नहीं है जिसका भुगतान न्यायाधीम स्वयं करेंगे जो "कर" मब्द के बाद आये हैं, मध्दों को निकाल दिया गया है,

(2) नियम 2ष, के बाद निम्नलिखित नियम जोड़ा जाएगा, धर्यात्:— "2ड--नि:शुरुक पानी और बिजली:—

प्रत्येक न्यायाधीण चाहे वह सरकारी मकान में रहता हो या नहीं उसके मकान में पानी और बिजली के उपभोग का शुल्क जो वार्षिक बारह हजार रपये से धिक न हो प्राप्त करने का हकदार होगा"

> [संख्या 24/58/86-न्याय] जें.एस. वधन, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी: मुख्य नियम भ्राधिसूचना सं. एस.भार. ओ. 224 दिनांक 24 जनवरी, 1956 भारत के राजपत्र भाग-2 खण्ड 3 के पुरुठ 106 में प्रकाशित हुए ।

## बाद के संशोधन:---

- एस.धार,ओ. 707 दिनांक 28-2-1957
- 2. जी. एस.भार. 497 ,, 13-3-1970
- 3. जी.एस.धार. 336(ई) , 11-7-1972
- जी. एस. ग्रार. 562 ., 21-4-1979
- जी. एस. घार. 1015 , 21-7-1979
- 6. जी. एस. भार. 1175 ,, 4-11-1986

### MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Justice)

New Delhi, the 18th March, 1987

G.S.R. 299(E).—In exercise of the powers conferred by sections 23 and 24 of the High Court Judges (Conditions of Service) Act,

- 1954 (28 of 1954) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the High Court Judges Rules, 1956, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the High Court Judges (Amendment) Rules, 1987.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
  - 2. In the High Court Judges Rules, 1956,-
    - (i) in the Explanation under rule 2A, the words "but excludes the charges on account of water and electricity consumed (in excess of rupees twelve thousand per annum) which shall be borne by the Judge himself" occurring after the word "taxes", shall be omitted;
    - (ii) after rule 2D, the following rule shall be inserted, namely:—
      - "2E-Free water and electricity.—Every Judge, irrespective of the fact whether he resides in an official residence or not, shall be entitled to re-imbursement of charges on account of water and electricity consumed at his residence not exceeding rupees twelve thousand per annum".

[No. 24|58|86-Jus.] J. S. BADHAN, Jt. Secy.

Foot Note:—Principal rules published by Notification No. S.R.O. 224 dated 24th January, 1956, Gazette of India, Part II, Section 3 page 106.

subsequently amended by-

- 1. S.R.O. 707 dated 28-2-1957.
- G.S.R. 497 dated 13-3-1970.
- 3. G.S.R. 336(E) dated 11-7-1972.
- 4. G.S.R. 562 dated 21-4-1979.
- 5. G.S.R. 1015 dated 21-7-1979.
- G.S.R. 1175 dated 4-11-1986.